फर्स्ट लेडी

गली गली सिम सिम के सेट पर

चमकी, बूंबा, आंचू, गूगली और गैंग के पड़ोस में 2 मार्च को खास मेहमान का आगमन हुआ। फर्स्ट लेडी लॉरा बुश नोएडा (उत्तर प्रदेश) में बच्चों के शैक्षिक कार्यक्रम सेस्मी स्ट्रीट के भारतीय संस्करण *गली गली सिम सिम* के सेट पर पहुंचीं। उन्होंने भारतीय बाल फिल्म सोसायटी की अध्यक्ष नफीसा अली सोढ़ी के साथ गिनती और संख्याओं पर प्रोग्राम का एक छोटा भाग रिकॉर्ड कराया।

प्रोग्राम के सेट पर श्रीमती बुश और सोढ़ी ने कठपुतली शेर बूंबा का स्वागत किया जिसे नाचना बहुत अच्छा लगता है। श्रीमती बुश ने टॉमबॉय प्रकृति के महिला कठपुतली चरित्र चमकी के साथ एक दृश्य की शूटिंग कराई। फर्स्ट लेडी ने नमस्ते कहा और मपट (कठपुतली का एक ट्रेडमार्क) को पांच तक गिनना सिखाया। यह प्रोग्राम चार करोड़ परिवारों तक पहुंचने की उम्मीद है।

सेस्मी स्ट्रीट की शुरुआत 1969 में हुई और इसका प्रसारण पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विस पर किया जाता है जो गैरमुनाफे वाला टेलीविजन चैनल है। इस कार्यक्रम को जिम हेंसन और जोन गैंज कूने ने तैयार किया और इसका हर कठपुतली चरित्र बचपन की किसी अवस्था का प्रतिनिधित्व करता है।

गली गली सिम सिम अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड), न्यूयॉर्क के गैरलाभकारी शैक्षिक संगठन *सेस्मी स्ट्रीट* और टर्नर ब्रॉडकास्टिंग की भागीदारी में बन रहा है। इसे नई दिल्ली की एक प्रोडक्शन कंपनी *मिडिटेक* बना रही है। यह श्रृंखला हिंदी में होगी और कुछ जुमले अंग्रेजी में होंगे।

फर्स्ट लेडी लॉरा बुश ने गली गली सिम सिम *के सेट पर आठ साल के जुड़वा बच्चे सत्यम और शिवम खन्ना से मुलाकात की। ये कबीर की भूमिका अदा कर रहे हैं। नीचे: श्रीमती बुश और नफीसा अली सोढ़ी मपट कठपुतलियों के साथ।*

इस प्रोग्राम का प्रसारण इस बार गर्मियों में *कार्टून नेटवर्क* और *पोगो* पर किया जाएगा। इस श्रृंखला का लक्ष्य 3 से 6 साल के बच्चों को संख्याएं और शब्द सिखाकर, पोषण और सफाई के बारे में जानकारी देकर, उनके सोचने को प्रोत्साहन देकर और सीखने की ललक जगाकर उन्हें स्कूल भेजने के लिए तैयार करना है।

गली गली सिम सिम में ऐसी मपट कठपुतलियों का इस्तेमाल किया गया है जो भारतीय सांस्कृतिक और शैक्षिक जरूरतों को प्रतिबिंबित करती है। इसके पात्रों में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले मानव चरित्र हैं।

इस प्रोग्राम को रेडियो के लिए भी तैयार किया जाएगा। इसके अलावा पुस्तकों, पैंफलेट, पोस्टरों और शैक्षिक गेम के जरिये अतिरिक्त सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी।

-डी.के.

फोटो: शैरन फ्रेनकस्टर, पेग © ए.पी.-वर्ल्ड वाइड